अब जीवति साहित्यिकारों पर भी कर सकेंगे पीएचडी, CSJMU कानपुर तैयार कर रहा लसि्ट

चर्चा में क्यों?

23 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थति छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय **(CSJMU)** नई पहल करते हुए अब जीवति साहित्यिकारों पर भी पीएचडी कराएगा। इसके लिये जाने-माने साहित्यिकारों की सूची तैयार की जा रही है, फैसला इसी सत्र से लागू किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि अभी तक उन साहित्यिकारों पर शोध किया जाता है, जो इस दुनिया में नहीं हैं।
- सीएसजेएमयू कुलपति प्रो. विनय पाठक के निर्देशन में प्रस्ताव तैयार किया गया है।
- विवि में बने दीनदयाल शोध केंद्र में भी अब पीएचडी होगी। इस पर अंतिम मुहर लग चुकी है। यहाँ देश व समाज के लिये उत्कृष्ट कार्य करने वाली चार विभूतियों पर पीएचडी कराई जाएगी।
- इनमें एकात्म मानववाद का संदेश देने वाले दीनदयाल उपाध्याय, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आंबेडकर और सामाजिक मतभेद मिटाने वाले छत्रपति शाहू जी महाराज के नाम शामिल हैं।
- गौरतलब है कि कई पूर्व छात्रों ने विवि का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया है। इनमें भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, प्रख्यात कवि गोपाल दास नीरज समेत कई वैज्ञानिक, राजनेता व देश की विभिन्न कंपनियों में उच्च पदों पर दिग्गज लोग विराजमान हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/now-phd-will-be-able-to-do-on-living-writers-also,-csjmu-kanpur-is-preparing-list